(vii) Re-opening of Thakur Paper Mills, Samastipur, Bihar.

श्री अजित कुमार मेहता समस्तीपुर) : ठाकुर पेपर मिल समस्तीपुर (बिहार) में सरकार की 45 प्रतिशत पूंजी लगी है। दुर्भाग्वश अप्रैल 1982 से यह मिल आफ कर दिया गया है बिजली की कमी का निराधार कारण बता कर। इस मिल के बद हो जाने से एक हजार मजदूर बेरोजगार हो जाने के कारण भूखों मर रहे हैं। इन के आश्रितों की स्थिति दर्दनाक है। बिहार राज्य के अन्तर्गत एक भी उद्योग बिजली की कमी के कारण कतई बंद नहीं हुआ। ज्ञातव्य हो कि उद्योग के नाम पर इस जिले में इस कारखाने को लगा कर केवल चार कारखाने हैं जिस में सालों भर चलने वाले दो में एक बंद ही है। इसके अतिरिक्त दो चीनी मिलें हैं जो केवल सीजन में ही चालू होती हैं। अतः उद्योग को प्रोत्साहन तथा मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए इस बीमार मिल का प्रबन्धन अपने हाथ में लेकर इसका कार्य प्रारम्भ कराने की मांग करता हूं।

(viii) Appointment of Committee to study causes of droughts and floods every year in Eastern U.P.

श्री चन्द्रजीत यादव (आजमगढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों विशेषकर आजमगढ़, देवरिया, बस्ती, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, फैजाबाद और सुलतानपुर भयंकर सूखे ग्रस्त हो गए हैं। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से धान की पैदावार होती है। इस समय जब धान लगाने का समय आया है, लगभग एक महीने से नाममात्र को ही पानी बरसा है। इस कारण न तो किसान धान लगा पाया, उसका बीज खेतों में सूख रहा है और न ही रबी की दूसरी फसल जैसे मक्का, अरहर आदि की रक्षा कर पा रहे हैं। गन्ना भी सूखे से प्रभावित हो गया। पूरे क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है। विशेष रूप से छोटे किसान और खेतिहर मजदूरों में भूखमरी की स्थिति पैदा हो रही हैं। पशुओं के लिए चारे का अभाव हो गया है और इसलिए पशु भी मर रहे हैं। ऐसे समय में जब किसानों को नलकूप के लिए पूरी बिजली और नहर में पानी उपलब्ध होना चाहिए था, उन्हें यह भी नहीं मिल रहा है। दूसरी तरफ किसानों से लगान और ऋण की वसूली की जा रही है।

दूर्भाग्य से उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल, जो हमारे देश से आज भी सर्वाधिक गरीब जिले हैं, प्रति वर्ष सूखे और बाढ़ के शिकार होते रहते हैं। अतः मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि वह एक उच्च स्तरीय समिति इन जिलों की स्थिति का अध्ययन करने के लिए नियुक्त करे और इन क्षेत्रों में तत्काल राहत कार्य शुरू किए जायें।

(ix) Widening of National Highway No. 45 between Madras and Trichy.

DR. V. KULANDAIVELU (Chidambram) : I would like to draw the immediate attention of the House that there are frequent and innumerable road accidents in the National Highway No. 45, extending from Madras to Trichy due to increased and incompatibly ply of vehicles in the existing double lane leading to heavy toll of human lives and material loss. When the matter was raised with the Ministry of Shipping and Transport, an information was sought that Rs. 50 lakhs has been included in the Sixth Five Year Plan (1980-85) for widening it to four lanes in a length of 5 KM to begin with and subsequent consideration in the Seventh Plan.

Unless the said road is widened to four